

VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01130753

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : SURBHI RATHAK

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

ENG

तारीख
Date

31/8/24

निबंध ESSAY

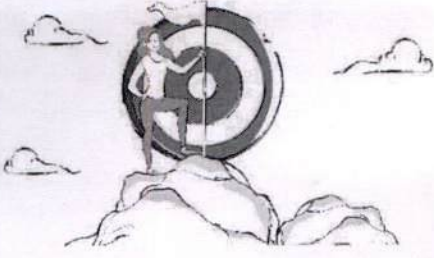
केंद्र
Centre

Delhradun

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

Priya Verma

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हों :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड - A / SECTION - A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
✓ The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

1 The world must learn to work together,
or finally it will not work at all

It was early 1940s. The joy
of Panzer tanks ravaging the streets of
Netherlands and France. The Blitzkrieg
of Nazi Germany under Adolf Hitler
managed to create fear in the minds
of people. They even decided not to
fight this monstrous force which seemed
unstoppable.

Then came General Eisenhower who found the opportunity to defeat Nazis in their own invincibility. While the tanks swarmed in, they left their backs unguarded. Together France, UK and USA found the way to defeat a fascist force by blocking their way out. And thus, victory was closer with the Allies finally able to restore confidence and morale of their forces.

The above anecdotes reflect how, when the world or a microcosm of it comes together, cementing success becomes easier. And when the efforts are more individual, victory may seem far off may not even come at all.

It becomes pertinent to ask as to why the world must learn to work together? Why would it not work at all if it doesn't work together? Are there

Any exceptions to it? And how the world must move forward?

A world that is together: treasurehouse of growth

The world consists of host of species, with homo sapiens sapiens at the top, atleast in terms of intelligence and awareness.

Interestingly, it took millions of years for humans to evolve, yet only few decades to blend the environment at our will. This has resulted in common problems of climate change, sea level rise that requires collective efforts.

A world that is together would also lead to better education to solve the gigantic issues of today. For instance, post the failure of Treaty of Versailles in restoring peace. The countries learnt to work together and created United Nations, a more represented body for a 20th century world (Ironically, not for 21st century).

Moreover, better ideation leads to collective decision making. A world that works together will have far more synergy for a greater impact. It was the synergy in efforts of revolutionaries like Bhagat Singh, Sukhdev, Chandrashekhar Azad that collectively jolted the evil spirits of British colonial rule. Culminating in freedom.

In fact it not only results in better prospects of success, it also provides strength and capacity to face defeats. Dr BR Ambedkar puts a pertinent question in his Grammar of Anarchy - "would the society promote collective efforts over individual interests and creed?"

These collective efforts over the years have resulted in justice being called reformable over ~~re~~ retributable. The recent criminal law shows the collective efforts of stakeholders to bring justice when faced with obsolete ones.

Above all, a world that works together also grows humanity to the next level.

The joint efforts of countries like USA and Russia have led to International Space Station providing invaluable insights of unending cosmos, even though they may be fighting on earth.

A disjointed world may fall apart

Just as world that is together has better chances of success, a world that has not learnt to work together ~~is~~ may face pitfalls before becoming obsolete.

This is because in the face off of an individualistic society that is self centred and a collectivistic society that is humane and diverse, it is the latter that wins in the longer run. Yuval Noah Harari in his Sapiens mentions that homo sapiens are at the top of food chain as they have the capability to put their tribes' interest over their own.

If this trust of tribe or society breaks

It may lead to differences and oppression.

As highlighted by many African countries, the drive towards limiting to 1.5°C climate rise goal, developed countries with historical emissions are causing pre-mature deindustrialization of developing countries. Denying the right to develop and grow will lead to perpetual inequity.

Adam Smith in his wealth of nations talks about laissez faire economic model of capitalism. While the same capitalism has led to marginalization of poor, vulnerable at the expense of rich getting richer.

The Oxfam report highlighting top 1% own 77% of wealth highlights a dystopian world that has not learnt to work together.

This may lead to a mistaken belief that the perils of disjointed world may no impact the developed world. It proved

to be true in the wake of COVID-19 pandemic
As a virus does not know about the
artificial borders that man has created.

It created more havoc leading to loss of lives
in a world that was more globalized
yet not together in dealing with a global
crisis.

The same disjointed world has
promoted the use of man as a means to
grow up the ladder of success. The Social
Dilemma documentary talks about the perils of
social media with

66 If something is free,
then you are the product 53

It has led to compromise of national interest,
sovereignty, interest of billions of people
at the expense of few billionaires in a small
corner of the world.

A tale of caution

Having discussed the importance of a word that should learn together to evade the fallout. It becomes important to wonder if there are any cases where it did not work out even when the world was together?

Recent Pari's olympics may give an insight into this. The collective efforts of France led to adoption of geothermal energy for cooling the olympic village. Yet the developed world went ahead to provide for individual Air conditioners to their athletes. And those who could not afford were left.

"Technology, they say, will help
yet when it lies in plain sight,
it's questioned and denied"

The same world being designed world
Trade organization apparently for international
freedom to trade. Yet, it cannot work
together to address the interests of farmers

in developing countries or the poor farmers / fishermen in coastal ~~and~~ countries.

on the other hand, two countries being very far apart are showing the world how to work together. Israel and India, from an earlier policy of dehyphenation have now come close to working together since the Kargil war. As they face similar challenges in a world that has barely learnt to work together in a geopolitical turmoil.

What then should guide the world to navigate through the challenges and fight it together?

Karl Popper, a famous ~~socialist~~ sociologist notes that it is not a world of utopia or a city of God that drives human efforts. The collective well being of society that

acknowledges its roles and responsibilities
to forge unity should guide us.

This unity needs to be inculcated
from childhood where family acts as a
agency of primary socialization. values
of compassion, ~~be~~ benevolence and
universal humanism as held by Swami
 Vivekananda should be the guiding light.

Further, ethics should be the
benchmark for any global consensus. As
 Lambs held

66 A mind without ethics is a
wild beast left loose on earth 33

A world driven by ethical mindset would
focus on not only ameliorating the concerns
of present generation but also on sustainable
development. As,

"we do not inherit nature from our parents
we borrow it from our children" 33

This ethical world should also be inclusive irrespective of caste, creed, gender, religion. The world has begun to work together where LGBTQ rights are being debated, discussed and brought about. Yet the world has miles to go to promote women equality and safety for an equal society.

Lastly, world must work together to achieve long term success in any area of cooperation. As Mr Jai Chandra says →
"A world of forging convergences
and managing divergences"

Bringing a world full of diversities together on a common platform is a difficult task. Yet as it is said — "Perhaps, time's definition of coal is diamond"

This is what our collective efforts

should lead to. A world aiming to be
a diamond of growth, equality and
opportunities, fulfilling the idea of
Vasudev Kutumbakam.

“ Alone we can do so little
together, so much ”

— X — X —

VisionIAS

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

6. To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment

In ancient India, a King was told by an astrologer that his son would either be a greatest King or a wanderer. Fearing that the young Prince may desert the Kingdom, the King provided all luxuries to his son, shielding him from all the sorrows.

Yet, Siddhartha Gautam left the house seeing a beggar, old man and a corpse. He wandered to find the true meaning of life for six years. He faced the world full of challenges, illusions of mana and his own insecurities to become an ~~etc~~ enlightened one — Gautam Buddha

The above anecdote highlights how the world is constantly trying to make us something which we are not. Yet to be true to yourself in such a world gives dividends, beyond greatest accomplishments

In this essay, we shall explore what is meant by being yourself? Why the world is ~~be~~ trying to make us something else? Why it is an accomplishment to follow our path? Are there any cases where the world is actually right? And how one should move forward?

To be yourself essentially means to follow one's own beliefs, values, passion and ideas about life as a whole. This because an individual knows himself/herself the best. Any deviation from the self may cause cognitive dissonance, not an happy state to be in.

It also leads to rationalistic decision making where the decisions are taken based on interest. Kanha Bhogle did engineering and management to later become a successful commentator. This exemplified best by Robert Frost words where

he says →

“ Two roads diverged

And I took the one less travelled by

And it has made all the difference ”

This our path creates opportunities of exponential growth. Albert Einstein was told that he was not good at maths. Had he listened to the world that was trying to make him a regular student, humanity would not have progressed through his Theories of relativity.

Einstein's ~~an~~ example begs the question as to why the world is constantly trying to make us something else?

Firstly, our world is domen by consensus where collective decisions are given more importance and acceptance. And any deviation from it is often admonished, even desided at times! Indian education system is a case in point. we often jokingly ^{say} "In India, a student first becomes an engineer, then decides what to do as"

Behind this callous remark lies a deeper problem of societal acceptance of only few paths of success. It results in India looking in number of doctors, psychiatrists, sportsman and many more diverse fields

Further, the world is also full of illusions where 'reel life has become more important than real life'. The craze for instant gratification has made social media like a parade of achievement. The author in Some Society says -

"The dangers of past was that men may be slaves,
The dangers of future is that men may
become robots"

This world is often ^{on} a self-deprecating path where growth of one may not be acceptable to the other. As the chances of success on a path not taken are meagre,

It not only attracts ill-suited advice but also jealousy when the path actually produces results. That is why startups and founders are often called drifters or non-conformists. They are only celebrated when the world see longible results.

It goes on to show the short-term mindset of the world which resists change

As the change often seen is uncomfortable.

The reforms taken by socio-religious leaders like Raja Ram Mohan Roy were not acceptable to the world where sati was common. Similar is the case today where global institutions like United Nations are resisting any reforms.

Such resistances proves that world is stuck on the fixed mindset of status Quoism. Anyone who comes along with a growth mindset like Nelson Mandela with

his anti-apartheid idea or Mahatma Gandhi with an approach of non-violence are not given due attention.

Such people are often called misfits in the modern world. Yet they change the world for better. It not only leads the world to a better path but can also be considered greatest individual accomplishment.

This is because they give choice to their inner calling. Marcus Aurelius held that our soul has all the answers.

66 In times of turmoil, resort to licking your soul, where there are no distractions. And then come back to face the world."

Secondly, growth also happens beyond the comfort of this world. Those who want to achieve something that the world

has not yet seen yet are the ones who
challenge the existing paradigms. Arani

Lekhara is one such promising player who
did not let the world decide her fate.
Even after being called a disabled ~~and~~
by the world, she went on to a greater
accomplishment of becoming the youngest
Indian paralympian at Tokyo Olympics

Her story reflects the ideal as
enshrined in Indian philosophy as well. Where
individual perception of self should matter
more than the world. Ankanta vada of
Jainism reflects such varying realities of
life. We may choose our own reality,
which differs from the world. But why
should one not follow the world or a herd
mentality?

This because happiness truly lies
in accepting one's own self. As Steve Jobs

said -

"Your time on earth is limited. Don't waste it by living someone else's life".

This is probably why being yourself is the greatest achievement. To be happy in a world where happiness is rarely seen.

At this juncture, one should also not forget that the world can be a difficult place, yet it is also very beautiful with a lot of learnings.

This learning of generations render the world some lessons which can be right at a lot of places, irrespective of time and space!

It is often said that we ^{stand} stand tall by standing on the shoulders of our ancestors. Some ancestors have allowed homo sapiens sapiens the ability to think, after years of evolution. Similarly, evolution of past like

Niels Bohr, Madam Curie allow the
modern scientific research

Our own families are a source
of learning. A family not only provides
values, but also acts as an agency of
social control. Had the world not
made us good citizens and evolved the
concept of fundamental duties, we would
only become extractors of benefits and
lack of social order would prevail.

The rising cases of intolerance,
juvenile crime and fundamentalism are
occurring as people have forgotten the
values of societal morals, compassion, love
that our sages had focused on to become
a collective society may fall apart by
individual divergences. Where a child can
murder his parents for gaining in Blue
whale challenge is far from an accomplishment,
rather leads to degradation of world.

What then must be done to not only be your own self in a world of Chimera, yet be gentle enough to contribute the development of world?

The first step should be belief in self, cultivating good moral principles and following our path in life. As was held in Innuclūs

" I am the captain of my ship
I am the master of my soul "

This self belief will not only propel our growth but also provide courage to follow a path that may change the world for good, albeit slowly.

Further, focus on collective well being should be prioritised because interdependence is what helps human to thrive. Bhutan's concept of Gross National Happiness is a novel idea not for its own development only. Yet, it brings wise for global re-definition

of growth.

Lastly, following a path of divergence by building convergence on the way is needed. India's call of mission lifestyle (mission LIFE) for environment is a great accomplishment to nudge the world towards a less conspicuous consumption society.

It often requires heart of steel to tread on a path that is less travelled by. Yet it provides immense growth potential. It may be hidden under the garb of unsustainability, yet provides paradigm shift in outlook.

" Don't Bend
Don't fall for it
Don't follow the existing path
Follow our goals mercilessly "

Bank Koyka in
oncomorphosis

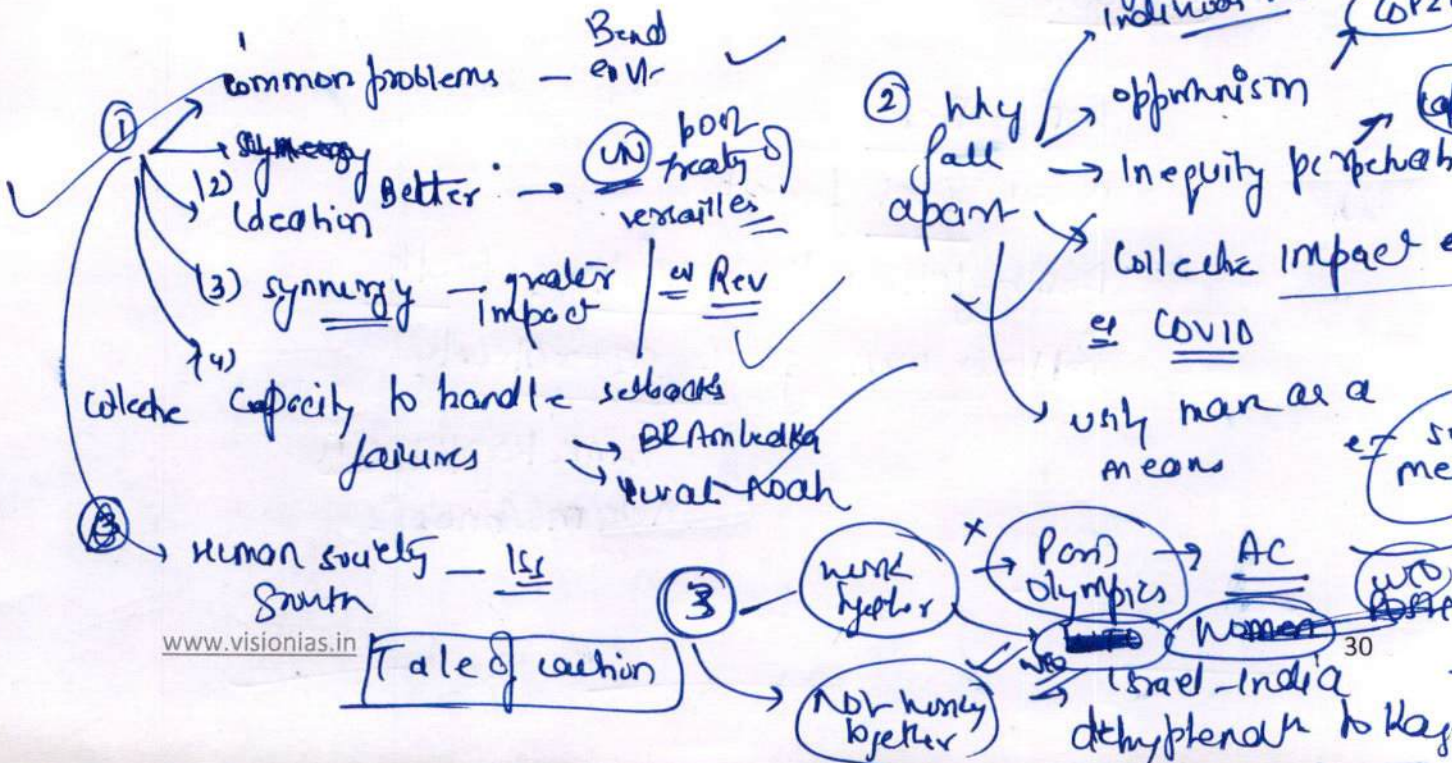
SPACE FOR ROUGH WORK

(1) The world must learn to work together, or finally it will not work at all

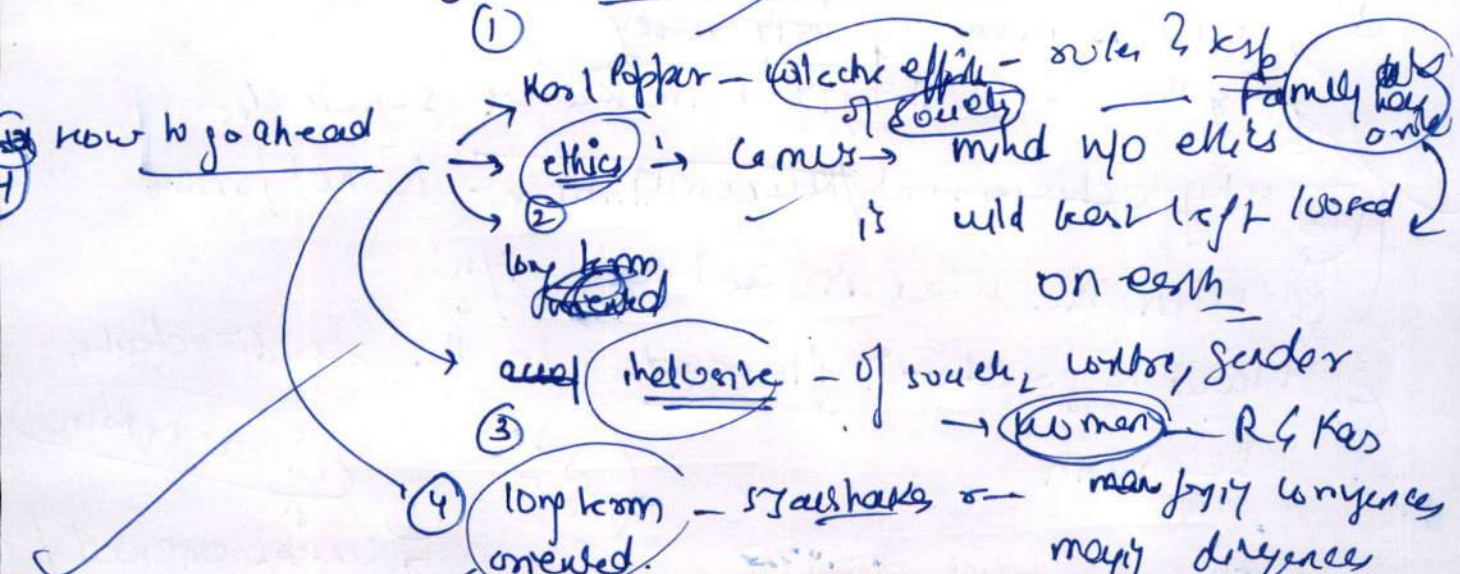
Intro
 (1) Eisenhower + Patton + MacArthur or Tuvalu is sinking + Marshall sub
 USA / France / UK defeated Nazi or COVID →

(2) The above anecdotes reflects how individually they were falling apart. Yet the collective efforts led to victory

(3) ~~It becomes~~ It becomes frustration to ask why the world...? why would it fall apart? Scope of differences even among / in conscience. work together? how the world must move forward? collective



When then must guide the world
SPACE FOR ROUGH WORK



It will take time to work → the work alone

but as they say perhaps time is diamond

Along the can do so little together, so much

↓
 And this is what our collective effort should lead to
 a united effort to be a diamond → especially small group
Industrial - Wp26
Worcester vs Kenya Shkup
And for Smith
BBB

2nd
In the S. Custom
 → How he fight over
insecure, challenges, illusion
of money - yet became an
enlightened one.

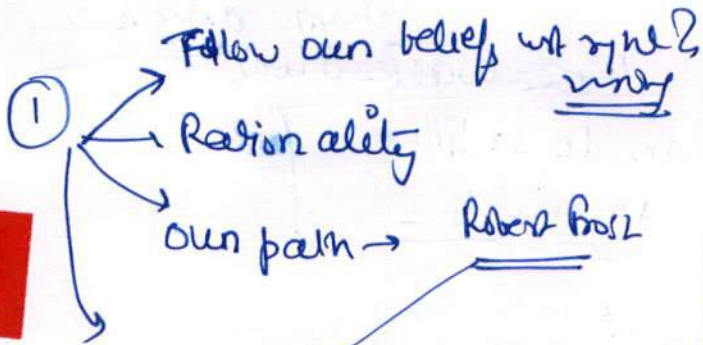
Teach is decided

brought them together

yet same circumstances
www.visionias.in

SPACE FOR ROUGH WORK

- ① what is meant by being yourself
- ② why the world is trying to make us something else
- ③ why ~~achievement~~ accomplishment to not follow
- ④ when the world is actually right
- ⑤ how to go about forward in the world reality
self worth



Guided man

educational system

